सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

स्वमान - मैं सहनशील आत्मा हूँ।

शिवभगवानुवाच - ``तुम एक बार सहन करोगे तो बाबा सौ बार दुआएं और वरदान देंगे। जो सहन करेंगे वही शहंशाह बनेंगे।''

योगाभ्यास - अनुभव करें कि बापदादा अपनी सम्पूर्ण किरणों सहित मेरे ऊपर छत्रछाया के रूप में विराजमान हैं... मुझे दिलासा दे रहे हैं... मेरे आने वाले स्वर्णिम कल की झलक दिखा रहे हैं... बापदादा मुझे शक्ति दे रहे हैं निर्विघ्न रहने व अपने सेवा स्थल को निर्विघ्न बनाने की...।

धारणा - सहनशीलता को बढ़ाने के लिए याद रखें कि सहन करने की आज्ञा स्वयं भगवान ने दी है। सहन करना मरना नहीं है, लेकिन उड़ना है। जिनके पास सहनशक्ति है उनके पास सभी शक्तियां स्वतः आ जाती हैं। आपका झुकना, झुकना नहीं है, लेकिन सदाकाल के लिए सामने वाली आत्मा को झुकाना है। आप जिनका सहन करेंगे वे आपके राज्य में आयेंगे अर्थात् भविष्य में आपके अधीन रहकर आपकी सेवा करेंगे। सदा अपने श्रेष्ठ स्वमान की सीट पर रहें। हमारी प्रालब्ध के सम्मुख सहन करने वाली बातें तो बहुत छोटी हैं। प्राप्तियों को सम्मुख रखेंगे तो सहन करना सहज हो जायेगा।

तीव्र पुरुषार्थियों के प्रति - पत्थर को लगातार हथौड़े से चोट कर-करके ही सुंदर मूर्ति के रूप में परिणित किया जाता है। लगातार चोटें सहन करके ही पत्थर पूज्य देवी या देवता का स्वरूप ग्रहण करता है। जो पत्थर सहन नहीं कर पाते वे साइड में हटा दिए जाते हैं। वे उच्च स्थान पर स्थापित नहीं हो पाते। तो आइये हम भी इनसे प्रेरणा लेकर सहनशीलता के अवतार बन जायें... संसार हमसे सहनशीलता का पाठ सीखे ऐसा आचरण करके दिखाएं... भगवान के लिए और विश्व को स्वर्ग बनाने के लिए हमारा सहन करना कोई बड़ी बात नहीं...।

स्वमान - मैं पूज्य आत्मा हूँ।

शिवभगवानुवाच - ``विश्व की आत्माएं बिल्कुल शक्तिहीन, दुःखी, अशांत चिल्ला रही हैं। बाप के आगे, आप पूज्य आत्माओं के आगे पुकार रही हैं - कुछ घड़ियों के लिए भी सुख दे दो, शांति दे दो, खुशी दे दो, हिम्मत दे दो। क्या उन पर आप पूज्य आत्माओं को रहम नहीं आता?''

योगाभ्यास - बापदादा के साथ विश्व के ग्लोब पर बैठकर सर्व आत्माओं को सुख, शांति, शक्ति व खुशी की सकाश दें... दिन में दस बार परमधाम की गहन शांति का अनुभव... मुक्ति-जीवनमुक्ति का अनुभव करें... ताकि सम्पर्क में आने वालों को भी वह अनुभव हो सके।

प्रैक्टिकल धारणा - बेहद की वैराग्य-वृत्ति। जब बिल्कुल बेहद के वैरागी बन जायेंगे, वृत्ति में भी वैरागी, दृष्टि में भी बेहद के वैरागी, सम्बन्ध-सम्पर्क में, सेवा में, सबमें बेहद के वैरागी, तभी मुक्तिधाम का दरवाज़ा खुलेगा।

मनन-चिन्तन - बेहद के वैराग्य का अर्थ क्या है? ज्ञान के किन महावाक्यों को सदैव सम्मुख रखें जिससे बेहद का वैराग्य इमर्ज रहे? बेहद के वैरागी के लक्षण क्या होंगे?

तीव्र पुरुषार्थियों प्रति - बेहद का वैराग्य ही तीव्र पुरुषार्थ की दिशा में पहला कदम है। त्याग व तपस्यामय जीवन के लिए यह सर्वोत्तम धारणा है। हमें यह पता है कि अब सम्पूर्ण परिवर्तन का समय आ गया है... परिवर्तन कभी भी अवश्यम्भावी है। अचानक और एवररेडी, यह दो शब्द सदैव याद रखें तो बेहद के वैराग्य का दीपक सदा जागृत रह सकेगा।

मंगोलिया। 21 सितम्बर अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर बुद्धिस्ट मोनास्ट्री में आयोजित कार्यक्रम में शरीक हुए यूनाइटेड नेशन्स के प्रतिनिधि,मंगोलिया,बीते ट्रैंकमैन, मेयर ऑफ यू.बी. जी.मुनबयार,हेड ऑफ द सिविल सर्विसेज़ काउंसिल ऑफ मंगोलिया, एस. सेडेन्डम्बा व ब्र.कु. बहन।

जयपुर-सोडाला। सांगानेर पंचायत समिति प्रधान कैलाश कुमावत को राखी बांधते हुए ब्र.कु. स्नेह।

फर्रुखाबाद-वीवीगंज(उ.प्र.)। रक्षाबंधन के कार्यक्रम में जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह को राखी बांधते हुए ब्र.कु. मंजु। साथ हैं जिला मुख्य विकास अधिकारी एस.एम. शुक्ला।

हरदुआगंज-उ.प्र.। थानाध्यक्ष एस.के. यादव को राखी बांधते हुए ब्र.कु. कमलेश। साथ हैं ब्र.कु. हेमा।

शामली। पत्रकारों के स्नेह मिलन में सभी को राखी बांधने के बाद समूह चित्र में ब्र.कु. राज, ब्र.कु. सुरभि तथा पत्रकारगण।

दिल्ली-समयपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर बादली विधान सभा के विधायक अजेश यादव को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. कुसुम। साथ हैं ब्र.कु. रजनी।

भीलवाड़ा। विजय सिंह पथिक नगर स्थित नवनिर्मित सेवाकेन्द्र के परिसर में वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संवर्धन संस्थान के अध्यक्ष गोविंद सोडानी। साथ हैं ब्र.कु. इन्द्रा, ब्र.कु. तारा व अन्य भाई बहन।

भीनमाल-राज.। सेवाकेन्द्र एवं ग्लोबल नेत्र संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में 'निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर' का उद्घाटन करते हुए पंचायत समिति के प्रधान धुखाराम पुरोहित, उपखण्ड अधिकारी चूनाराम विश्नोई, ब्र.कु. गीता, डॉ. जल्पा, डॉ. अभिमन्यु व अन्य।

जैतारण-राज.। सेंट्रल जेल में कैदी भाइयों को कार्यक्रम के पश्चात् प्रतिज्ञा कराते हुए ब्र.कु. छाया, ब्र.कु. निर्मला व जेलर साहब।

आज के परिप्रेक्ष्य में...

- पेज 1 का शेष

रासायनिक खेती एवं जैविक खेती की तुलना में अधिक लाभदायक सिद्ध हो चुकी है, साथ ही पौष्टिकता भी प्रमाणित हो चुकी है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अमर सिंह ने किसानों को सरकार द्वारा उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराया तथा केन्द्र द्वारा खेती में किए गए वैज्ञानिक प्रयोगों के बारे में प्रकाश डाला।

कुम्हेर के कृषि विश्वविद्यालय की प्रो. डॉ. कुसुम कोठारी ने कृषि एवं ग्राम विकास हेतु महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्राम विकास बैंक(नाबार्ड) के संभागीय प्रभारी अभय कुमार ने कहा कि आत्मा द्वारा किये गये सत्य कार्य हमेशा सफल होते हैं। नाबार्ड किसान एवं खेती की समस्याओं के निवारण में महती भूमिका अदा कर रहा है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओ.पी. जैन ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आध्यात्मिकता के साथ मनुष्य जीवन के अनेक क्षेत्रों में भी किए जा रहे प्रभावशाली कार्यों की सराहना की।

महापौर शिवसिंह भौंट ने इस अभियान द्वारा जिले भर में खेती एवं ग्राम विकास के क्षेत्र में की गई सेवाओं की सराहना की और शुभ कामनाएं व्यक्त की।

ब्र.कु. सीताराम मीणा,आई.ए.एस.पीठासीन न्यायाधीश,सब न्यायालय ने सभी का स्वागत करते हुए वर्तमान विश्व की विभिन्न समस्याओं के निदान में तथा नारी जागृति की दिशा में इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्र.कु. पूनम द्वारा प्रस्तुत गीत `प्रभु प्यार का एक तराना' तथा सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सभा में उपस्थित सभी अतिथियों एवं किसानों को साहित्य सौगात एवं प्रसाद भेंट किया गया।